नई दिल्ली, मंगलवार
4 मार्च, 2025
ग्रेटर नोएडा
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 16+6=22

दैनिक जागरण

www.jagran.com

दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

क्रिकेट कप्तान पर कांग्रेस 'हिट विकेट' 9

आज आस्ट्रेलिया से होने वाले चैंपियंस ट्राफी सेमीफाइनल में रोहित सेना को दूर करना होगा हेडेक 12

नोएडा एयरपोर्ट पर विकसित होगा एक्सपोर्ट हब, कृषि उत्पादों को मिलेगा वैश्विक बाजार

प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने नोएडा एयरपोर्ट का किया निरीक्षण

जागरण संवाददाता, जेवरः प्रदेश के कृषि और दुग्ध उत्पादों को वैश्विक बाजार तक ले जाने के लिए सरकार नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक्सपोर्ट हब विकसित करने जा रही है। इससे पश्चिम उत्तर प्रदेश के 25 से अधिक जिलों के अलावा हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखंड के किसानों की सब्जी, फल, दुग्ध व अन्य कृषि उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक ले जाने का रास्ता साफ हो जाएगा। योजना को धरातल पर उतारने के लिए प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में एक्सपोर्ट हब स्थापित करने के लिए इनोवा फूड पार्क, वर्ल्ड बैंक, एआइ सैट्स, कन्सेशनायर और नायल के अधिकारियों के साथ सोमवार को बैठक की। बैठक के बाद एयरपोर्ट टर्मिनल बिल्डिंग, रनवे, एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) टावर एवं अन्य निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इसके बाद आर एडं आर विस्थापन टाउनशिप के निरीक्षण के लिए पहुंचे। एयरपोर्ट को दिल्ली, मुंबई और यमुना एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाले इंटरचेंज के अलावा कार्गो टर्मिनल के लिए बनाई जा रही वेस्टर्न कनेक्टिविटी की तीस मीटर चौड़ी व आठ किमी लंबी सड़क का निरीक्षण कर प्रगति देखी। अंत में एयरपोर्ट के लिए पेयजल सप्लाई के लिए फलैदा में बनाए गए एब्सट्रेक्शन वेल को देखने पहुंचे।

नोएडा एयरपोर्ट में बनने वाले एक्सपोर्ट हब में विपणन से लेकर प्रसंस्करण, भंडारण, पैकेजिंग की सुविधा देने की योजना है। मुख्य सचिव ने हार्टिकल्चर आधारित एक्सपोर्ट हब बनाने और इसके फाइनेंशियल माडल बनाने के लिए सभी विभागों को समन्वय कर योजना को मूर्त रूप देने के निर्देश दिए। नायल के सीईओ डा. अरुणवीर सिंह ने एक्सपोर्ट हब के लिए गामा रेडिएशन हेतु भूमि उपलब्ध कराने का प्रस्ताव भी दिया है। नोडल आफिसर शैलेंद्र कुमार भाटिया ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से परियोजनाओं की प्रगति से अवगत कराया। मुख्य सचिव ने एटीसी टावर, टर्मिनल बिल्डिंग, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का स्थलीय निरीक्षण किया। इसके बाद टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड को कार्य में श्रमिक बढ़ाकर गति लाने के निर्देश दिए। टर्मिनल बिल्डिंग के मुख्य द्वार की प्रगति यात्री सुविधा अन्य सेवाओं के लिए विकास कार्यों की जानकारी ली। इस अवसर पर मंडलायुक्त मेरठ डाक्टर हृषिकेश भास्कर यशोद, जिलाधिकारी मनीष कुमार, नियाल सीईओ अरुणवीर सिंह, अपर जिलाधिकारी बच्चू सिंह, उपजिलाधिकारी अभय कुमार सिह, एयरपोर्ट नोडल अधिकारी दुर्गेश सिंह, उपजिलाधिकारी न्यायिक जेवर विवेक सिंह भदौरिया आदि मौजूद रहे।

इंटरचेंज और वेस्टर्न कनेक्टिविटी के कार्य को भी देखा: मुख्य सचिव टाउनशिप देखने के बाद सीधे यमुना एक्सप्रेसवे के रास्ते दिल्ली मुंबई लिंक एक्सप्रेसवे को एयरपोर्ट और यमुना एक्सप्रेसवे को जोड़ने वाले इंटरचेंज पर पहुंचे। यहां अधिकारियों से यातायात प्रबंधन और इंटरचेंज के विकास के अलावा हाल ही में शुरू हुए वेस्टर्न कनेक्टिविटी के काम को देखकर सभी काम को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। अंत में यमुना किनारे फलैंदा बांगर में बनाए गए एब्सट्रेक्शन वेल जहां से एयरपोर्ट को पेयजल आपूर्ति की जाएगी उसका भी निरीक्षण किया।

एयरपोर्ट के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों से वार्ता करते मुख्य सचिव • सौ. वीडा

- एयरपोर्ट पर रनवे, एटीसी टावर, टर्मिनल बिल्डिंग पहुंच निर्माण कार्य की देखी प्रगति
- टाउनशिप में सड़क, नाली, पार्क और बिजली की व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

जेवर बांगर में आरएंडआर टाउनशिप में देखी सुविधाएं

मुख्य सचिव ने प्रथम फेज में गांव के विस्थापन से प्रभावित किसानों के लिए विकसित की गई आरएंडआर टाउनशिप का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गाड़ी में बैठकर ही टाउनशिप की सड़कें, नालियां पार्क और बिजली पानी के अलावा विकसित टाउनशिप की अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली।